सरल अंग्रेजी अधिगम

जापान, फ्रांस, जर्मनी और चीन जैसे अनेक ऐसे देश हैं, जहां डॉक्टर या इंजीनियर बनने के लिये अंग्रेजी जानना जरूरी नहीं है। पर आर्थिक वैश्विकरण के युग में अब अंग्रेजी की महत्ता हर देश में बढ़ गयी है। इसके विपरीत यह सच्चाई है कि हमारे देश में अंग्रेजी ज्ञान के बिना किसी भी महत्वपूर्ण पद के योग्य ही नहीं माना जाता। अंग्रेजी भाषा सीखने के लिये कोई क्षेत्रीय सीमा नहीं है और यह आसानी से सीखी जा सकती है लेकिन हमारे परिवेश या खासतौर पर ग्रामीण परिवेश में छात्रों को यह कठिन लगता है, जबकि यदि प्रस्तुत नवाचार का अनुसरण किया जाये तो छात्र-छात्राएं आसानी से अंग्रेजी भाषा में दक्ष होकर अंग्रेजी संवाद भी करने लगते हैं।

नवाचारक का नाम

रजा फात्मा, पू॰ मा॰ वि॰ पौहिना, जवां, अलीगढ़

नवाचार के क्षेत्र

इस नवाचार से छात्रों का अंग्रेजी शब्द कोष बढ़ेगा, अंग्रेजी में छात्रों की रुचि बढ़ेगी, उनमें हीन भावना दूर होगी, आत्म-विश्वास बढ़ेगा और वह सम्प्रेषण करना भी सीख जायेंगे।

किन विद्यालयों में उपयुक्त है : प्रत्येक विद्यालय में लागू किया जा सकता है।

नवाचार का सार

ग्रामीण परिवेश में अंग्रेजी को महत्व न देने के कारण विद्यालयों में इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जाता है। एक तथ्य यह भी है कि अंग्रेजी विषय को कठिन माने जाने की भ्रांति के कारण छात्र भी अंग्रेजी विषय से दूर भागते हैं। साथ ही हिंदी माध्यम से शिक्षित-दीक्षित अध्यापक भी अंग्रेजी के प्रति संकोची हैं। यदि विद्यालयों में अंग्रेजी पर ध्यान दिया जाये तो इसका समाधान हो सकता है। इस नवाचार द्वारा छात्रों में अंग्रेजी के प्रति रुझान बढ़ेगा और उन्हे अंग्रेजी सरल व रुचिकर लगेगी।

क्रियान्वयन : विद्यालयों में छात्रों को अधिक से अधिक अंग्रेजी बोलने के अवसर प्रदान करें, जैसेः-

1. अक्षरों की पहचान कराना
2. उच्चारण सही कराना
3. अंग्रेजी में शब्दार्थ की अन्ताक्षरी कराना
4. प्रतिदिन की बातचीत में आने वाले वाक्यों को हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में याद कराना
5. छात्रों से अंग्रेजी में संवाद करना
6. अंग्रेजी को सरल व रुचिकर बनाना
7. छात्रों को आपसी बातचीत अंगेजी में करने के लिए प्रेरित करना
8. अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता कराना
9. अंग्रेजी बोलने वाले छात्रों को सम्मानित करना

चरण

1. छात्रों को अंग्रेजी विषय की महत्ता को समझाया जाये, जिससे वे इस विषय में रुचि ले सकें।

2. इसके लिये उनसे छोटे-छोटे शब्दों का उच्चारण कराया जाये, जैसे– sheet, heet, cut, nut, pull, bull, put etc.

तत्पश्चात एक ही स्वर की ध्वनियों वाले शब्दों का उच्चारण कराया जाये, जैसे– mother, brother, butter, cutter, hunter etc.

इसके बाद ऐसे शब्दों का उच्चारण कराया जिसके अन्त में 'e' आता है, जैसे– kite, site, note, vote, hope, lake, make etc.

इसके बाद उन शब्दों का उच्चारण कराया जाये, जिनमें 'L' silent होता है, जैसे– calm, balm, palm, talk, walk, half, chalk, could, would etc.

शब्द जिनमें 'P' silent है, जैसे– Pneumonia, Psychology etc.

शब्द जिसमें k silent होता है, जैसे– know, knife, knowledge.

इसी प्रकार उन्हें 'ing', Singular-Plural, Silent Letters आदि के सिद्धान्त समझाये जायें।

2. दूसरे चरण में अध्यापक छात्रों से हर बात अंग्रेजी में बोलने का प्रयत्न करते हैं। प्रत्येक दिन 2-3 small-sentences में अंग्रेजी व हिन्दी में लिखवायें और बार-बार याद करायें इसके बाद हिन्दी में इन sentences को छात्रों के सामने बोले, छात्रों से इसे अंग्रेजी में translate करायें तथा उन्हें अपनी प्रतिदिन की बोलचाल में प्रयोग में लायें।

उदाहरण

1. छात्रों के समक्ष अंग्रेजी विषय को सरल व रुचिकर बनाने के लिये अंग्रेजी में Cartoon-pictures को translate करके हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में Cartoon-pictures के Characters के role play करवायें। छात्र इससे बहुत उत्साहित होते हैं तथा आसानी से यह role play किया जा सकता है, जैसे- एक छात्र ने motu का role play किया और दूसरे ने patlu का। उन्हें हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखे motu के comics और story books भी दी जा सकती हैं। इनकी stories हिन्दी व अंग्रेजी दोनों में पढ़ायी व याद करवायी और कक्षा में छात्रों द्वारा सुनवायें।

2. छात्रों को आपस में बातचीत करने का तरीका हिन्दी व अंग्रेजी दोनों में बताया गया और दो मित्रों के बीच की गई बातचीत हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखवायी व याद करवायी। छात्रों ने इसे याद किया, फिर इस बातचीत के characters का role छात्रों द्वारा play करवाया। यह प्रक्रिया बारी-बारी से सब छात्रों ने दोहरायी। बातचीत में रोजाना बोलने वाले वाक्य प्रयोग किये और अलग-अलग topics पर संवाद किया।

3. अगले चरण में छात्रों को विभिन्न topics पर 4-5 वाक्य बोलने को कहें, यदि छात्र नहीं बोल पाते हैं, तो उन्हें पहले लिखकर याद करायें।

4. छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों को प्रेरित करें कि वे घर पर भी अंग्रेजी का माहौल बनाकर रखें, यदि वह स्वयं नहीं बोल पाते हैं तो घर के अन्य सदस्यों या छात्रों से सुने व समझें।

नवाचार से लाभ

1. छात्रों ने अंग्रेजी बोलने व सीखने में काफी सफलता प्राप्त की
2. उनके शब्दकोष, आत्मविश्वास में वृद्धि हुई
3. उनकी हीन भावना दूर हुई ■